हज़रत मौलाना सैय्यद मुहम्मद राबेअ़ हस्नी नदवी

मौलाना सैय्यद मुहम्मद राबेअ़ हस्नी नदवी 1 अक्टूबर सन् 1929 ई0 को तकिया कलां रायबरेली यू0पी0 में पैदा हुए। आप हज़रत सैय्यद अबुल हसन अली हस्नी नदवी रह0 के भांजे हैं।

शिक्षा एवं पदः

प्राथमिक शिक्षा मकतब रायबरेली में पूरी की और उच्च शिक्षा में प्रवेश लिया और सन् 1948 ई0 में दारुल उलूम नदवतुल उलेमा से फ़ज़ीलत की शिक्षा प्राप्त की। फिर दारुल उलूम देवबन्द में एक वर्ष रहकर शिक्षा हासिल की। सन 1949 ई0 में दारुल उलूम नदवतुल उलूम में सहायक शिक्षक नियुक्त हुए सन् 1955 ई0 में दारुल उलूम नदवतुल उलूम के कुल्लियातुल लुग़ा अरबिया के वकील नियुक्त हुए और सन् 1970 ई0 को अमीद कुल्लियातुल लुग़ा अरबिया नियुक्त हुए। सन् 1993 ई0 में संरक्षक, सन् 1999 ई0 में उप–प्रबन्धक और सन 2002 ई0 में हज़रत मौलाना सैय्यद अबुल हसन अली हस्नी नदवी रह0 की मृत्यु के पश्चात नदवतुल उलूम के प्रबन्धक नियुक्त हुए। इसी तरह हज़रत मौलाना क़ाज़ी मुजाहिदुल इस्लाम क़ासमी रह0 की वफ़ात के पश्चात सन 2002 ई0 में आपको आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

हज़रत मौलाना की अभी तक अरबी में 15 महत्वपूर्ण किताबें और उर्दू में 12 बहुमुल्य पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। लेख और निबन्ध विषय इसके अतिरिक्त हैं।

आपने हज़रत मौलाना सैय्यद अबुल हसन अली हस्नी की तरह और उनके बाद विभिन्न देशों की यात्राएं कीं। और वहां की शैक्षिक सभाओं और कान्फ्रेंसों में सम्मिलित हुए। इस्लामी साहित्य आपका विशेष विषय था इसी लिए आप आलमी राब्ता अदब इस्लामी (रियाज़ सऊदी अरब) के अपाध्यक्ष भी हैं इसके अलावा आप राब्ता आलमे इस्लामी मक्का मुकरमा के सदस्य भी हैं।

इन पदों और उपाधियों के अलावा मजलिसे तहक़ीक़ात व नशरियाते इस्लामी, लखनऊ, दीनी तालीमी कौंसिल उत्तर प्रदेश और दारुल अरफ़ात, रायबरेली के अध्यक्ष, इसके अलावा दारुल मुसन्नेफ़ीन आजमगढ़ के सदस्य, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के आक्सफोर्ड सेन्टर बराए इस्लामिक स्टडीज़ के ट्रस्टी तहरीके पैग़ामे इन्सानियत और इस्लामिक फ़िक़्ह एकेडमी इंडिया के संरक्षक हैं।

☆☆☆